647510 **BRShwMD202C-2C** **Seat No :_____**

B.R.S. Semester - 2 (NEP-2020) Examination

JUNE – 2024

HIN: Chayanit Kavi: SumitraNandan Pant :Tarapath (Multidisciplinary Course)

Time: 2:00 Hours **Marks: 50**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न-१ कवि श्री सुमित्रानंदन पंत रचित काव्य 'प्रथम रश्मि' का मूलभाव विस्तृत रूप से लिखे । (१०)

अथवा

प्रश्न-१ 'आह! धरती कितना देती है' कविता में कवि ने स्वार्थ, भाग्यवाद के प्रति विद्रोह तथा परिश्रम और त्याग को महत्व दिया है ।- सिद्ध कीजिए ।

प्रश्न-२ प्रकृति के सफल चित्रकार सुमित्रानंदन पंत के व्यक्तित्व और कृतित्व के बारे में लिखे । (१०)

अथवा

प्रश्न-२ आधुनिक हिन्दी कविता के उद्भव और विकास की झाँकी प्रस्तुत करे ।

प्रश्न-३ निम्नांकित पद्यांशों में से किन्हीं दो को ससंदर्भ व्याख्या दे । (१०)

(१) सोयी थी तू स्वप्न नीद में, पंखों के सुख में छिपकर,
ऊँघ रहे थे, घूम द्वार पर, प्रहरी से जूगनू नाना ।

(२) उर के चरखे में कात सूक्ष्म, युग युग का विषय जनित विषाद
गुंजित कर दिया गगन जग का, भर तुमने आत्मा का निनाद ।

(३) खेतों में फैला है श्यामल, धूल भरा-मैला सा आँचल,
गंगा, यमूना में आँसू जल, मिट्टी की प्रतिमा-उदासिनी ।

(४) स्तब्ध ज्योत्सना में जब संसार, चकित रहता शिशु-सा नादान,
विश्व के पलकों पर सुकुमार, विचरते है जब स्वप्न अजान ।

प्रश्न-४ 'ग्राम श्री' कविता का केन्द्रीय भाव व्यक्त कर के कविता के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए । (१०)

अथवा

प्रश्न-४ सुमित्रानंदन पंत के काव्यों में वर्णित प्रकृति चित्रण के विविध रूप/ विशेषताएँ लिखे ।

प्रश्न-५ 'मौन निमंत्रण' कविता में छिपे प्रकृति के रहस्य को सविस्तृत लिखे । (१०)

अथवा

प्रश्न-५ 'भारत माता' कविता का केन्द्रीय भाव लिखे ।

****